ग्रैविटी होल

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

हाल ही में भूवैज्ञानिकों के लिये हिंद महासागर में **"ग्रैविटी होल"** का रहस्य चर्चा का विषय रहा है।

- **पृथ्वी का आकार और** [गुरुत्वाकर्षण](#) **इसके धरातल पर एक समान नहीं** होता है। इसके स्थान पर यह (गुरुत्वाकर्षण बल) **ध्रुवों पर अधिक** और **भूमध्य रेखा पर कम** होता है जिससे **गुरुत्व विसंगति (Gravity Anomaly)** की परिघटना होती है।
- इसके अतिरिक्त **गुरुत्वाकर्षण बल** पृथ्वी के भीतर क्रस्ट, मेंटल और क्रोड के द्रव्यमान वितरण के आधार पर **भिन्न होता है**। हिंद महासागर में **ग्रैविटी होल** इसका एक उदाहरण है।
- **'ग्रेविटी होल'**, जिसे आधिकारिक तौर पर **इंडियन ओशन जियोइड लो (Indian Ocean geoid low)** के रूप में जाना जाता है, जिसका आशय समुद्री स्तर में एक विशाल निम्न भू-भाग/क्षेत्र से है जो वैश्विक औसत से लगभग **106 मीटर कम** है और लगभग **1.2 मिलियन वर्ग मील क्षेत्र** को कवर करता है।
- इसकी उत्पत्ति भारत के दक्षिणी सिरे से होती है और इसे सबसे पहले **वर्ष 1948** में **डच भू-भौतिकीविद् फेलिक्स एंड्रीज़ वेनिंग माइनेज़** द्वारा प्रकाश में लाया गया था।

TAKING A DEEP LOOK

What is a Geoid	What is a tectonic plate
What is a Geoid | The earth's surface is not a perfect ellipsoid but is more like an irregular shaped potato. Therefore, **scientists use an imaginary sea level shape called 'geoid' which has highs and lows from place to place.** The Indian Ocean exhibits the **largest drop** in the world, a depression of around **106 metres**	**What is a tectonic plate** | **The earth's outer shell is broken into massive pieces** of rock which are **around 100kms thick. Called tectonic plates,** they float over an underlying thick layer of hot, molten magma

और पढ़ें... [गुरुत्वीय तरंगे](#)